## सफलता 'मंथन' की, क्रमशः .................

**सीहोर।** कृष्णपाल ग्राम अरनिया के निवासी हैं। इन्होंने मंथन आईटीआई अमलाहा जिला सीहोर में डी.एम. ट्रेड में एडमीशन लिया और 2017 में आईटीआई की परीक्षा उत्तीर्ण की। परीक्षा उत्तीर्ण होने के पश्चात् कृष्णपाल ने अपना स्वयं का बेकरी व्यवसाय चालू किया और अपनी दुकान से अच्छी आमदनी ले रहे हैं। तथा अपने परिवार का भरण-पोषण अच्छे से कर पा रहे हैं। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मंथन आईटीआई के शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

## जिलों से

● रिपोर्टर

### बड़वानी पुलिस का बड़ा एक्शन, लंबे समय से गांजा तस्करी करने वाला स्मगलर गिरफ्तार

**बड़वानी।** मध्य प्रदेश के बड़वानी में लंबे समय से काली टोपी लगाकर गंजे की तस्करी करने वाले तस्कर को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से गांजा भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बड़वानी एसपी जगदीश डाबर ने बताया कि बड़वानी में काली टोपी के नाम से मशहूर गांजा तस्कर संतोष जाधव निवासी कनासिया फलिया थाना सेंधवा को गिरफ्तार कर लिया गया है। बड़वानी पुलिस को सूचना मिली थी कि राजघाट रोड पर गंजे की तस्करी करने के लिए संतोष यादव जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने जाल बिछाकर राजघाट रोड से उसे पकड़ लिया। थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि आरोपी संतोष जाधव को गिरफ्तार कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक किलो 755 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। ऐसे में उससे पूछताछ के दौरान कई और महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

**बड़वानी में अवैध शराब के खिलाफ एक्शन**

वहीं बड़वानी पुलिस ने आदिवासी क्षेत्रों में अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ भी अभियान चलाया है। आदिवासी इलाकों में लोग खुद ही अवैध शराब का निर्माण करते हैं। यह अवैध शराब कई बार जानलेवा भी साबित हो जाती है। बड़वानी पुलिस ने तीन दिन पहले 13 लाख रुपये की कीमत के 131 गांजे के पौधे भी बरामद किए थे, जिसका वजन 25 किलो 900 ग्राम था। इस मामले में पुलिस ने नानिया सैनानी नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था जो कि मोहाला गांव का रहने वाला था। आरोपी नेनिया सेनानी के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

**फर्जी आरक्षक** — दुकानदार को वर्दी का रौब दिखाकर ऐंठता था रुपये, आरोपित के कब्जे से मोबाइल के अलावा एक बाइक भी बरामद

# आम लोगों को अपना शिकार बनाता था फर्जी पुलिसवाला, अवैध वसूली करते हुए रंगे हाथ हुआ गिरफ्तार

● मंथन संवाददाता

**भोपाल।** भोपाल में असली पुलिस ने एक नकली पुलिसवाले को पकड़ा है। वह आम लोगों से अवैध तरीके वसूली करता था। पुलिस ने बताया कि यह बदमाश नकली पुलिस बनकर वाहन चालकों और दुकानदारों से वसूली करता था। वहीं, एक दुकानदार की शिकायत पुलिस ने बदमाश को रंगे हाथ धर दबोचा, वहीं, अब पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। आरोपी के खिलाफ शिकायत दुकानदार द्वारा एमपी नगर थाने में की गई थी।

**दुकानदार को वर्दी का रौब दिखाकर ऐंठता था रुपये:** एमपी थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि अशोका गार्डन निवासी आनंद सेन मूलतः दतिया का रहने वाला है। वह बीते कई महीनों से राजधानी में नकली पुलिस बनकर वसूली कर रहा था। उसके निशाने पर शहर के दुकानदार और वाहन चालक होते थे, जिन्हें पुलिस का रौब दिखाकर उनसे रुपये ऐंठता था।

**पकड़ा गया तो झाड़ने लगा रौब**

18 नवम्बर को सूचना मिली कि एक संदिग्ध पुलिसकर्मी कोर्ट चौराहे पर दुकानदार को वर्दी का रौब दिखाते हुए अवैध वसूली कर

रहा है। तत्काल टीम को मौके पर रवाना किया और आरोपित को हिरासत में लिया। पकड़े जाने पर पहले तो आरोपित ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और पुलिसिया रसूख झाड़ने लगा।

**आरोपी का नाम आनंद सेन है**

लेकिन जब उससे वर्तमान तैनाती और विभाग से जुड़े सवाल किए गए तो वह सकपका गया और उसने स्वीकार किया कि वह नकली पुलिसकर्मी है। पैसा कमाने की लालच में वर्दी पहनकर लोगों से अवैध वसूली करता है। आरोपित आनंद सेन के बैंक खातों की जांच की जा रही है। उसके पास से कई तरह की वर्दियां मिली हैं। आरोपित दूसरों पर रौब झाड़ने के लिए छिपकर किसी पुलिस चौकी या पुलिस की गाड़ियों के साथ वर्दी में सेल्फी लिया करता था। इतना ही नहीं, इन फोटोज अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट में अपलोड भी कर दिया करता था।

**आरोपित के कब्जे से मोबाइल के अलावा एक बाइक भी बरामद**

आरोपित के कब्जे से मोबाइल के अलावा एक बाइक भी बरामद की गई है, जिस पर 'पुलिस' लिखा है। पुलिस उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने अब तक कहां-कहां और कितने लोगों को ठगा है।

**छतरपुर की पुलिस चौकी में चार साल बतौर आरक्षक नौकरी कर चुका है फर्जी पुलिसकर्मी**

भोपाल में जिला अदालत के बाहर वसूली करते हुए पकड़े गए फर्जी पुलिसकर्मी ने पुलिस से पूछताछ में चौंकाने वाला राजफाश किया है। आरोपित आनंद सेन ने बताया कि वह भोपाल आने से पहले छतरपुर में पुलिसकर्मी के रूप में नौकरी कर चुका है। आरोपित वहां एक चौकी में आरक्षक के तौर पर पदस्थ था। नौ महीने पहले वह परिवार के साथ राजधानी पहुंचा था। यहां वह अशोका गार्डन इलाके में परिवार के साथ रह रहा था। एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि आरोपित के दावे को लेकर छतरपुर पुलिस से संपर्क किया जा रहा है। 19 नवम्बर को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

### यूपी की 'तस्कर'... एमपी में गिरफ्तार, निमाड़ क्षेत्र में पहली बार किसी महिला पर ऐसा केस दर्ज

**बुरहानपुर।** बुरहानपुर। मध्य प्रदेश में अवैध हथियार तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बुरहानपुर से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां पर पुलिस ने एक महिला को अवैध हथियार तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह निमाड़ क्षेत्र का पहला ऐसा मामला है, जिसमें किसी महिला को अवैध हथियार की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह महिला यूपी की बताई जा रही है। एसपी देवेंद्र कुमार पाटीदार ने बताया कि महिला अवैध हथियार की तस्करी कर रही थी। सूचना पर दबिश दी गई। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला खुद को यूपी की बता रही है, जिसका नाम पिंकी है। उसके पास से चार देसी पिस्टल बरामद हुए हैं। महिला से पुलिस और भी पूछताछ कर रही है। यह जिले का पहला ऐसा मामला है, जिसमें महिला को अवैध हथियार तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

**2 साल में 72 गिरफ्तारी:** पुलिस से मिले आंकड़ों के अनुसार, 2 साल में अवैध हथियार के मामले में 72 गिरफ्तारियां हुई हैं। इसमें 332 अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। बुरहानपुर के खकनार थाना क्षेत्र के ग्राम पचौरी में अवैध हथियार बनाने का काम होता है। वहीं से यूपी, पंजाब, महाराष्ट्र और हिमाचल में हथियारों की अवैध सप्लाई की जाती है, जिसको लेकर पुलिस भी लगातार कार्रवाई करती रहती है।

**पर्दाफास** — साइबर ठगों को कमीशन पर खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह पुलिस से बचने के लिए तीन-चार माह में शहर एवं लड़कों को बदल देते थे

# भोपाल में पकड़ा गया गिरोह... दूसरों के आधार कार्ड से खोले 1800 बैंक अकाउंट, फिर 10-10 हजार में इन्हें साइबर ठगों को बेचा

● मंथन संवाददाता

**भोपाल।** फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनसे विभिन्न शहरों में बैंक खाते खुलवाकर कमीशन पर साइबर ठगों को देने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। एक महिला समेत सभी सात आरोपित बिहार के हैं। इनमें से दो युवक चौथी-पांचवीं तक ही पढ़े हैं। पुलिस ने इनके पास से बड़ी संख्या में आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, सिम कार्ड, 20 मोबाइल फोन, दो प्रिंटर, एक लैपटाप, एक पेनड्राइव और हिसाब-किताब का रजिस्टर बरामद किया है। पूछताछ में पता चला कि गिरोह एक शहर में एक-दो माह रुकता था। मध्य प्रदेश में कांग्रेस करेगी मोहल्ला समितियों का गठन, 35-40 घरों पर एक कार्यकर्ता होगा तैनातमध्य प्रदेश में कांग्रेस करेगी मोहल्ला समितियों का गठन, 35-40 घरों पर एक कार्यकर्ता होगा तैनात

अभी तक ये लोग फर्जी दस्तावेजों से देश भर में 1800 बैंक खाते खोल चुके हैं। इनमें से 120 एक माह में भोपाल में खोले गए हैं। खाते बैंक आफ महाराष्ट्र, आईडीबीआई, एसबीआई आदि में खोले गए हैं। पुलिस

कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि तीन दिन पहले एक युवक-युवती मोबाइल की दुकान पर सिम लेने पहुंचे थे।

**खाता खुलवाने के लिए 2 हजार रुपये देता था**

इनके पास अलग-अलग व्यक्तियों के आधार कार्ड थे, जिन पर युवक-युवती की फोटो तो एक जैसी है, लेकिन नाम-पता अलग-अलग हैं। गिरोह का सरगना शशिकांत है, जो फर्जी दस्तावेज से खाता खुलवाने पर अपने साथियों को दो हजार रुपये देता था। उसके बाद वह साइबर ठगों को 10 हजार रुपये में एक खाता उपलब्ध कराता था। वह स्वयं भी इन खातों का उपयोग अपनी गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर आम लोगों को लोन दिलाने के नाम पर एवं गेमिंग के जरिये साइबर ठगी के लिए करता था।

**पुलिस से बचने तीन-चार महीने में बदल देते थे शहर:** पुलिस से बचने के लिए वह तीन-चार माह में शहर एवं लड़कों को बदल देते थे। ये लोग अभी तक लखनऊ, इंदौर, हैदराबाद में फर्जी बैंक खाते खुलवाकर कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। डीसीपी जोन- तीन रियाज इकबाल ने बताया कि गिरोह ने एक माह पहले इब्राहिमगंज में खुद को कपड़ा व्यापारी बताकर फ्लैट किराए पर लिया था।

**इंदौर में ढाई महीने तक रहे:** पहले ये लोग ढाई माह तक इंदौर में रहे थे। इनका लक्ष्य एक शहर में एक माह में कम से कम सौ फर्जी खाते खुलवाना रहता है। इन लोगों तक कुछ आधार कार्ड डाक से भी पहुंचे हैं। जांच में कुछ पोस्टमैनों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

शशिकांत 10 हजार रुपये में एक खाता बिहार के साइबर ठग संजय को मुहैया कराता था। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

**सभी बिहार के रहने वाले हैं:** फर्जीवाड़ा के साक्ष्य मिलने पर पुलिस टीम ने इब्राहिमगंज के एक फ्लैट पर छापा मारा। वहां मूलतः बिहार के रहने वाले सात लोग मिले। इनकी पहचान शशिकांत उर्फ मनीष (26), सपना उर्फ साधना (21), अंकित साहू उर्फ सुनील (20), कौशल माली उर्फ पंकज (19), रोशन कुमार (20), रंजन कुमार उर्फ विनोद (19) एवं मोहम्मद टीटू उर्फ विजय (18) के रूप में हुई। रंजन कुमार पांचवीं एवं टीटू चौथी तक पढ़ा है।

**ऐसे काम करता था गिरोह:** शशिकांत देवघर झारखंड से आधार कार्ड का डाटा लेता था। आधार कार्ड से पता करके जिनका पैन कार्ड नहीं बना होता है, उसका पैनकार्ड ऑफलाइन बनवाता था। इसके बाद सपना, अंकित, कौशल, रोशन, रंजन एवं टीटू की उम्र के आधार पर उन आधार और पैन कार्ड में उनकी फोटो बदल देता था।

## पेज 1 का शेष

### महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की शानदार जीत, महायुति एक बार फिर राज्य...

**'महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुछ तो गड़बड़ है', संजय राउत का बड़ा आरोप**

शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत का बड़ा बयान आया है। संजय राउत ने कहा, हम जो देख रहे हैं, उससे लगता है कि कुछ गड़बड़ है। यह जनता का फैसला नहीं था। हर कोई समझ जाएगा कि यहां क्या गड़बड़ है।

महायुति ने ऐसा क्या किया कि उन्हें 120 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं? ऐसा कैसे है कि महाराष्ट्र में एमवीए को 75 सीटें भी नहीं मिल रही हैं? उन्होंने कहा, 'दो दिन पहले अडानी के खिलाफ वारंट निकला है, उसमें बीजेपी की पूरी पोल खुल गई, उससे ध्यान हटाने के लिए ये सब किया गया है। मुंबई गौतम अडानी के जेब में जा रहा है। महाराष्ट्र की जनता का मन हमें मालूम था। हमारी 4-5 सीटें इन्होंने चोरी की है। हर चुनाव क्षेत्र में नोटों की मशीन लगाई थी, जिस राज्य में सबसे बड़ी बेईमानी होती है, उस राज्य की जनता बेईमान नहीं है।'

**महायुति 215 सीटों पर आगे**

बता दें इस समय महायुति 215 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं एमवीए 61 सीटों पर आगे है। यहां मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ महायुति (बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी) और महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस, शिवसेना-यूबीटी और एनसीपी-शरद पवार) के बीच है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। यहां 288 विधानसभा सीटों पर

सभी पार्टियों के कुछ 4,136 प्रत्याशी मैदान में हैं। इन उम्मीदवारों में 2,086 निर्दलीय हैं। 150 से ज्यादा सीट पर बागी उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें महायुति और एमवीए के उम्मीदवार अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

**हेमंत सोरेन के ये 5 दांव... और झारखंड में बिगड़ गया बीजेपी का खेल**

अलायंस बहुमत के आंकड़ों को पार कर चुका है। ऐसे में दोनों गठबंधन का फासला काफी बढ़ गया है। अगर हेमंत सोरेन दोबारा सरकार बनाने में कामयाब रहते हैं तो उनके लिए ये बड़ी उपलब्धि होगी।

झारखंड में एक बार फिर हेमंत सोरेन की अगुवाई में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने की उम्मीद बढ़ गई है। शुरुआती रुझानों में बीजेपी गठबंधन काफी पिछड़ती दिख रही है। जबकि 'इंडिया' अलायंस बहुमत के आंकड़ों को पार कर चुका है। ऐसे में दोनों गठबंधन का फासला काफी बढ़ गया है। अगर हेमंत सोरेन दोबारा सरकार बनाने में कामयाब रहते हैं तो उनके लिए ये बड़ी उपलब्धि और इससे उनका राजनीति कद बढ़ेगा। आइए जानते हैं कि झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन की जीत के बड़े फैक्टर्स क्या हैं?

**आदिवासी बाहुल्य सीट पर हेमंत सोरेन का जलवा**

झारखंड में आदिवासियों की आबादी 26 फीसदी ज्यादा है, कई विधानसभा सीटों पर आदिवासियों की संख्या 40 फीसदी से भी ज्यादा है। इस चुनाव का परिणाम दर्शाता है कि आदिवासियों ने एक बार फिर हेमंत सोरेन पर विश्वास दिखाया है। दरअसल, बीजेपी के पास हेमंत सोरेन के मुकाबले का कोई आदिवासी बड़ा नेता नहीं है। चंपई सोरेन भले ही छ्रूरू छोड़कर बीजेपी में आ गए, इसके अलावा हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भी बीजेपी के साथ हो गईं। लेकिन आदिवासियों को इनका पाला बदलना पसंद नहीं आया। चुनाव रुझान में उन सीटों पर हेमंत सोरेन को जोरदार कामयाबी मिलती दिख रही है, जहां आदिवासियों की संख्या ज्यादा है।

**मुस्लिम-यादव और आदिवासी सीटों पर बंपर जीत**

आदिवासियों के अलावा झारखंड में मुस्लिम और यादव बाहुल वाली सीट पर कॉम्बिनेशन बनने 'इंडिया' गठबंधन को कामयाबी मिलती दिख रही है। झारखंड के 10 से ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जहां इनकी आबादी 50 फीसदी से भी ज्यादा है, इन सीटों में इंडिया गठबंधन को फिलहाल मजबूत बढ़त है। साथ ही बीजेपी कई नेताओं ने झारखंड में 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया, लेकिन ध्रुवीकरण नहीं हुआ। यहां 'हिन्दू-मुस्लिम' से ज्यादा आदिवासी अस्मिता का दांव चला है। बीजेपी ने बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। लेकिन हेमंत सोरेन ने भाजपा पर काटो-बांटो की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए 'बेटी-माटी-रोटी' का नारा दिया, जो काम कर गया है।

**हेमंत सोरेन की जेल बीजेपी के लिए बैकफायर**

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 31 करोड़ रुपये से अधिक की 8.86 एकड़ जमीन अवैध रूप से हासिल करने का आरोप में जेल जाना पड़ा था। जिसे उन्होंने आदिवासी अस्मिता से जोड़ दिया। उन्होंने इस बात को घर-घर तक पहुंचाने की कोशिश की कि गरीबों के नेता हेमंत सोरेन को बीजेपी ने साजिश तहत जेल में डाला। जनता चुनाव में इसका बदला वोट से लेना। कुछ हद तक वो आदिवासी समेत बड़ी आबादी को ये बताने में कामयाब भी रहे कि उन्होंने कोई घोटाला नहीं किया है और ये सब बीजेपी की बदले की राजनीति है।

**कल्पना सोरेन ने संभाला मोर्चा**

जब हेमंत सोरेन जेल में थे, भले ही उस समय चंपई सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बनाए थे, लेकिन सरकार की कमान एक तरह से हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के हाथों में थी। कल्पना सोरेन जमीन पर उतरकर पार्टी को एजकुट करने में लगी रहीं, उन्होंने हर जगह हेमंत सोरेन की जेल को जनता के नेता के बाद अन्याय करार दिया। इसके अलावा वो अलग अंदाज से अपनी बातों को रखती हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने जमकर चुनाव प्रचार किया। गांव-गांव घूमती नजर आईं और वोटर उनसे कनेक्ट हो रहे थे।

**झारखंड में मईया योजना का चला जादू**

झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की मईया योजना का जादू चल गया है। मईया योजना के तहत झारखंड में 51 लाख से अधिक महिलाओं को वित्तीय सहायता दी जा रही है। राज्य में महिलाओं को हर महीने रू. 1,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। यहां बीजेपी ने चुनाव में महिलाओं 2100 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की थी, लेकिन जनता ने हेमंत सोरेन के वादों पर विश्वास जताया है, क्योंकि कई किस्ते महिलाओं को मिल चुकी हैं।